हाथी और मगरमच्छ

मैक्स

बेचारा हाथी अपने पड़ोसी मगरमच्छ का संगीत सुनने को मज़बूर है. मगरमच्छ, दिन-रात अपने वायलिन पर एक ही धुन का अभ्यास करता है, उसकी धुनें बिना लय की होती हैं. यह तब तक चलता है जब तक हाथी तुरही बजाना नहीं सीखता है. उसके बाद मगरमच्छ के लिए अपने वायलिन की धुन सुनना बिल्कुल असंभव हो जाता है. नतीजा - दोनों पड़ोसियों के बीच भयंकर लड़ाई होती है. लेकिन जल्द ही उनकी आपस में सुलह हो जाती है. उसके बाद हाथी और मगरमच्छ दोनों अपने जीवन को कहीं अधिक सुखद और सामंजस्यपूर्ण पाते हैं. यह पुस्तक दो झगड़ालू पड़ोसियों की कड़वी कहानी की भावना को अच्छी तरह से पकड़ती है.
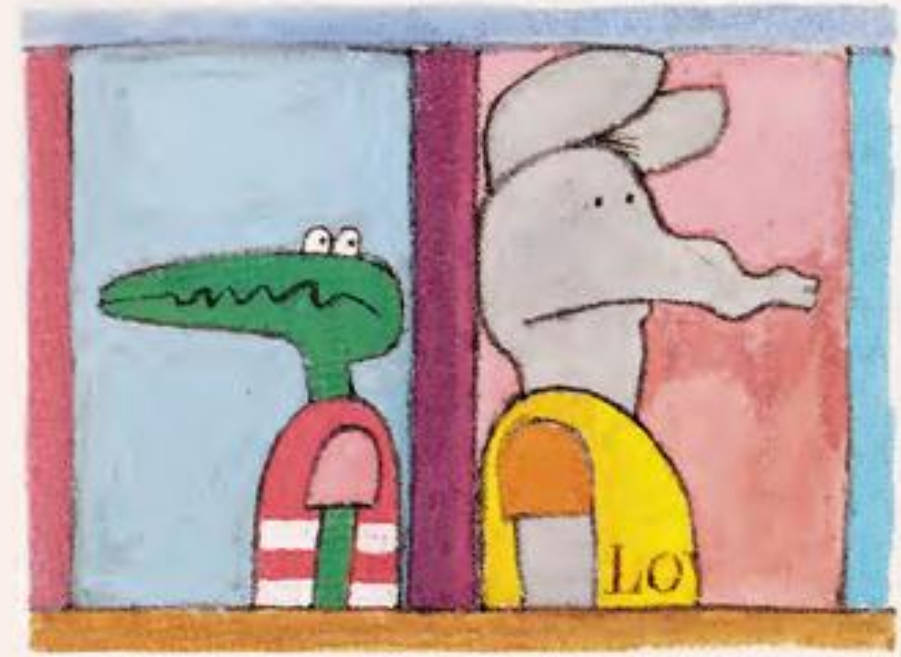
हाथी और मगरमच्छ

मैक्स

मगरमच्छ एक संगीतकार था. वो वायलिन बजाता था. वो पूरे दिन और रोज़ाना देर रात तक संगीत का अभ्यास करता था. इससे उसे बड़ा संतोष मिलता था.
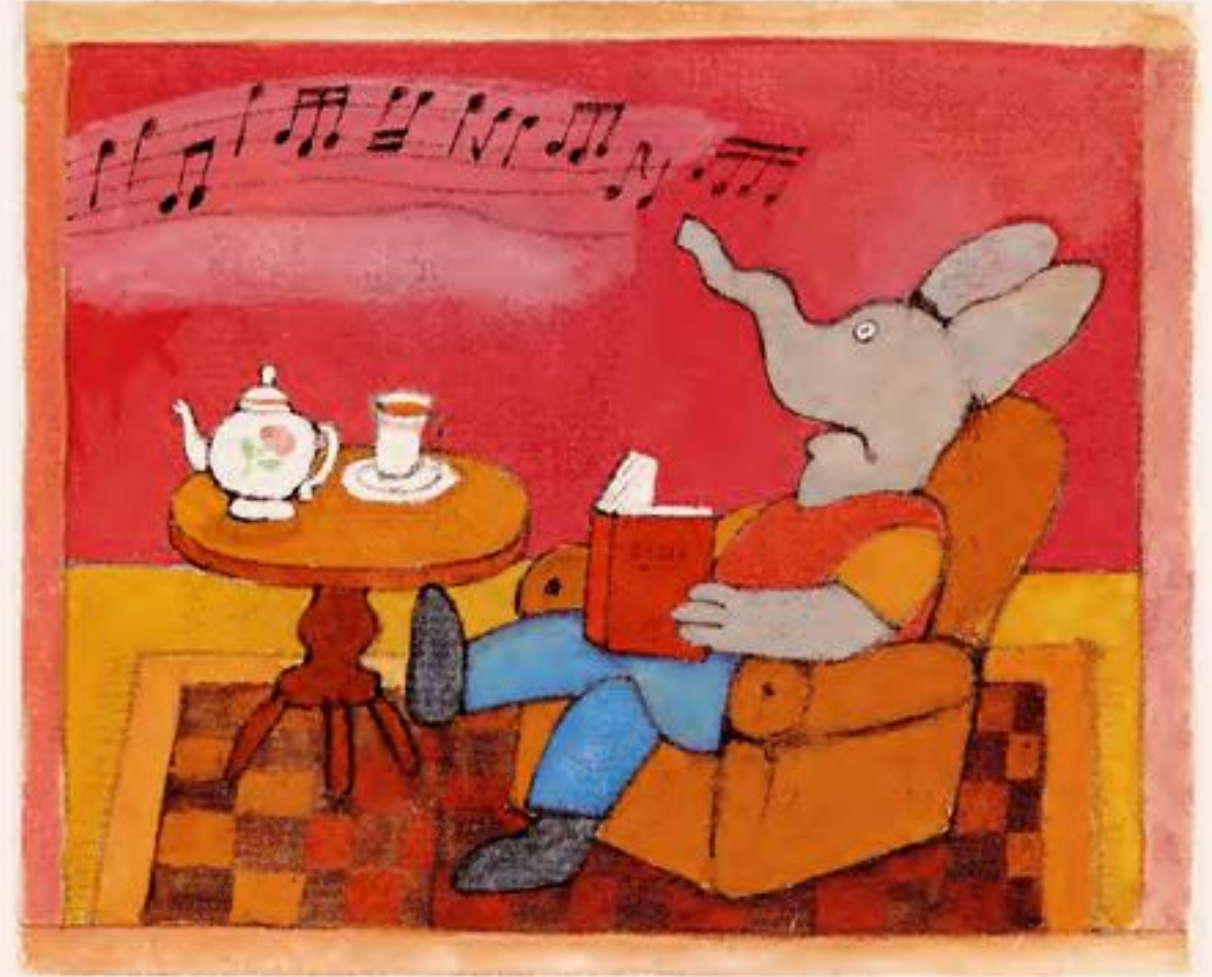
हालाँकि, यह उसके पड़ोसी के लिए बिल्कुल आनंददाई नहीं था. एक ही धुन को बार-बार गलत स्वरों में सुनकर हाथी के कान पक गए थे.

फिर एक दिन वो इस शोर को और सहन नहीं कर पाया.
वो शिकायत करने के लिए तुरंत मगरमच्छ के घर गया.

लेकिन मगरमच्छ ने कहा कि वो एक संगीतकार था.
"मैं अपने संगीत के बिना नहीं रह सकता!" उसने हाथी से कहा.

हाथी उदास होकर घर अपने घर वापिस लौटा.

उस शाम, मगरमच्छ ने फिर से अपना वायलिन बजाया.
हमेशा की तरह वो बेसुरे तरीके से उसे देर रात तक बजाता रहा.

और फिर यही दस्तूर चलता रहा.

मगरमच्छ बेसुरे तरीके से वायलिन बजाता, और उससे हाथी का पारा चढ़ जाता था.

अब हाथी पढ़ तक नहीं सकता था.

वो सो भी नहीं सकता था.

दरअसल, अब हाथी की जिंदगी से सारी खुशियां खत्म हो चुकी थीं और फिर वो डॉक्टर के पास अपनी समस्या को लेकर गया.

डॉक्टर ने हाथी को शांति माहौल में जाने की सलाह दी और साथ में कुछ कड़वी दवा भी दी. लेकिन हर बार जब हाथी घर लौटता तो मगरमच्छ का बेसुरा संगीत फिर उसके कानों पर वार करता.

मगरमच्छ जैसा कलाकार बनना कितना आसान है, हाथी ने सोचा.

और फिर अचानक, हाथी के दिमाग में एक विचार आया.
अच्छा, क्यों नहीं? किसे पता, कहीं मेरे अंदर भी एक संगीतकार छिपा हो!

हाथी उत्साहित होकर शहर गया, और अपने लिए एक सुंदर,
चमकदार पीतल की तुरही (ट्रम्पेट) खरीदकर लाया.

वो बचपन से ही तुरही बजाना चाहता था.

उसी शाम हाथी ने अभ्यास करना शुरू किया.

ओह, इसमें कितना मज़ा है!

हाथी अपने स्वयं के संगीत के हुनर से काफी हैरान हुआ.

वो देर रात तक तुरही बजाता रहा.

मगरमच्छ, ने जब अचानक बगल में एक भयानक शोर सुना तो वो बहुत हैरान हुआ. उस समय वो मोजार्ट द्वारा रचित वायलिन सोनाटा का अभ्यास रहा था.

"यह क्या चल रहा है?" वो गुस्से से चिल्लाया.

वो शिकायत करने तुरन्त हाथी के यहाँ गया.
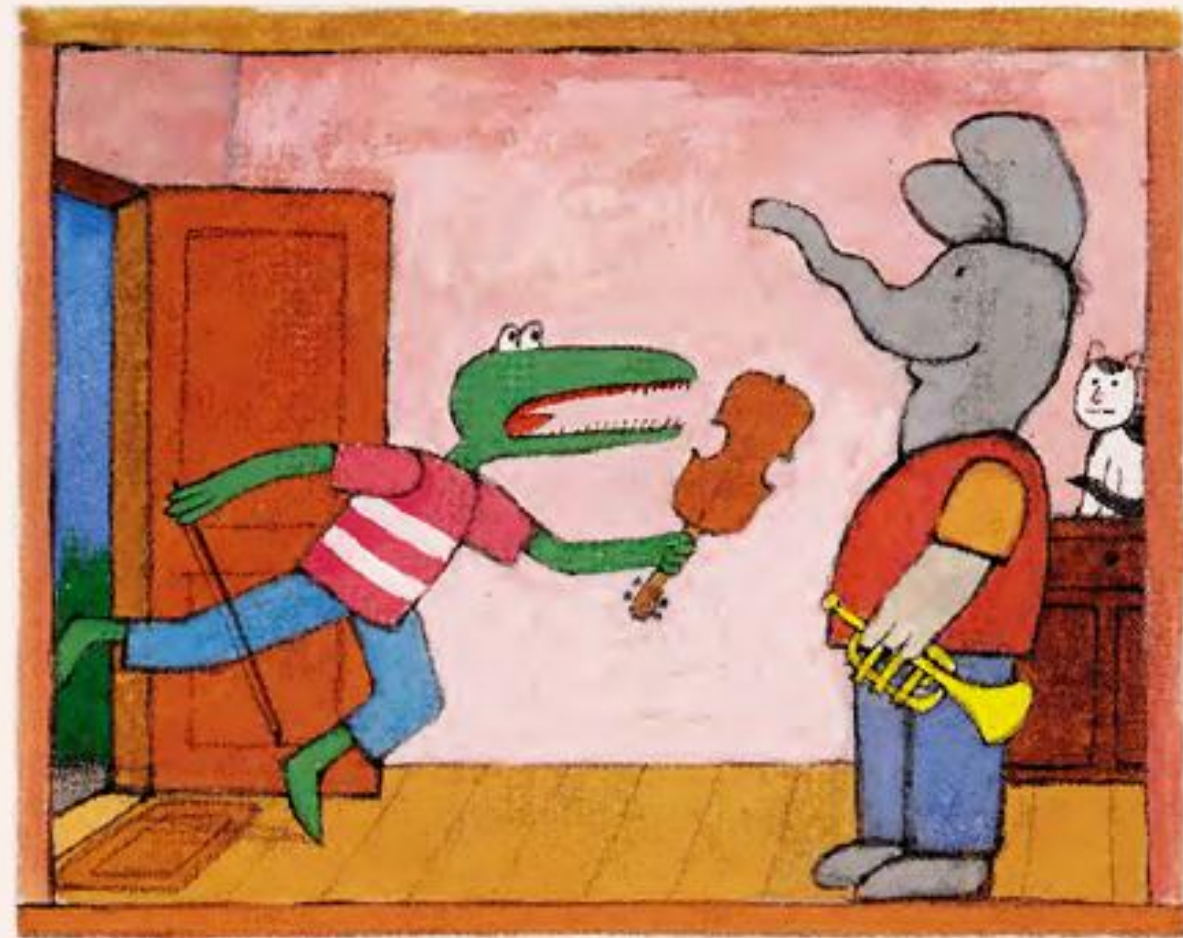
"उस शोर को बंद करो!" मगरमच्छ ने गुस्से से कहा. "तुम मेरे संगीत को बर्बाद कर रहे हो!"

लेकिन हाथी घबराया नहीं.

"मेरे प्यारे मगरमच्छ," उसने कहा. "मुझे क्षमा करो. देखो, मैं भी तुम्हारे जैसा एक कलाकार हूं. मैं भी अपनी तुरही बजाए बिना नहीं रह सकता हूँ."

बेचारा मगरमच्छ, वो अब संगीत का अभ्यास नहीं कर सकता था. हाथी की तुरही की आवाज़ बहुत ऊँची थी.

मगरमच्छ को उस शोर में अपना वायलिन सुनाई ही नहीं देता था.

दूसरी ओर हाथी ठीक-ठाक और खुश था.

अपने अंदर संगीत प्रतिभा की खोज ने उसे पूरी तरह से बदल दिया था. उसने अपने बालों को बढ़ाया और चमकीले कपड़े पहने जिससे सभी लोग उसे निहारें.

अब उसे अपनी चमकदार पीतल की तुरही बजाने में पहले से कहीं अधिक मज़ा आता था.

बदले में मगरमच्छ ने दो बड़े ढक्कनों को ज़ोर से बजाकर हाथी के शोर को खत्म करने की पूरी कोशिश की.

इसका मतलब था कि अब हाथी को तुरही में पहले से ज्यादा जोर से फूंक मारनी पड़ी. और इस तरह दोनों पड़ोसी, एक-दूसरे को परेशान करते रहे.

हताशा में, मगरमच्छ ने अपनी
हाइड्रोलिक ड्रिल चलाकर भयानक शोर पैदा किया.

हाथी के लिए उस शोर के सह पाना बहुत मुश्किल था!
बेचारा हाथी डर के मारे फर्श पर गिर पड़ा.

हाथी को लगा कि इस बार मगरमच्छ सीमा तोड़कर बहुत आगे निकल गया था.
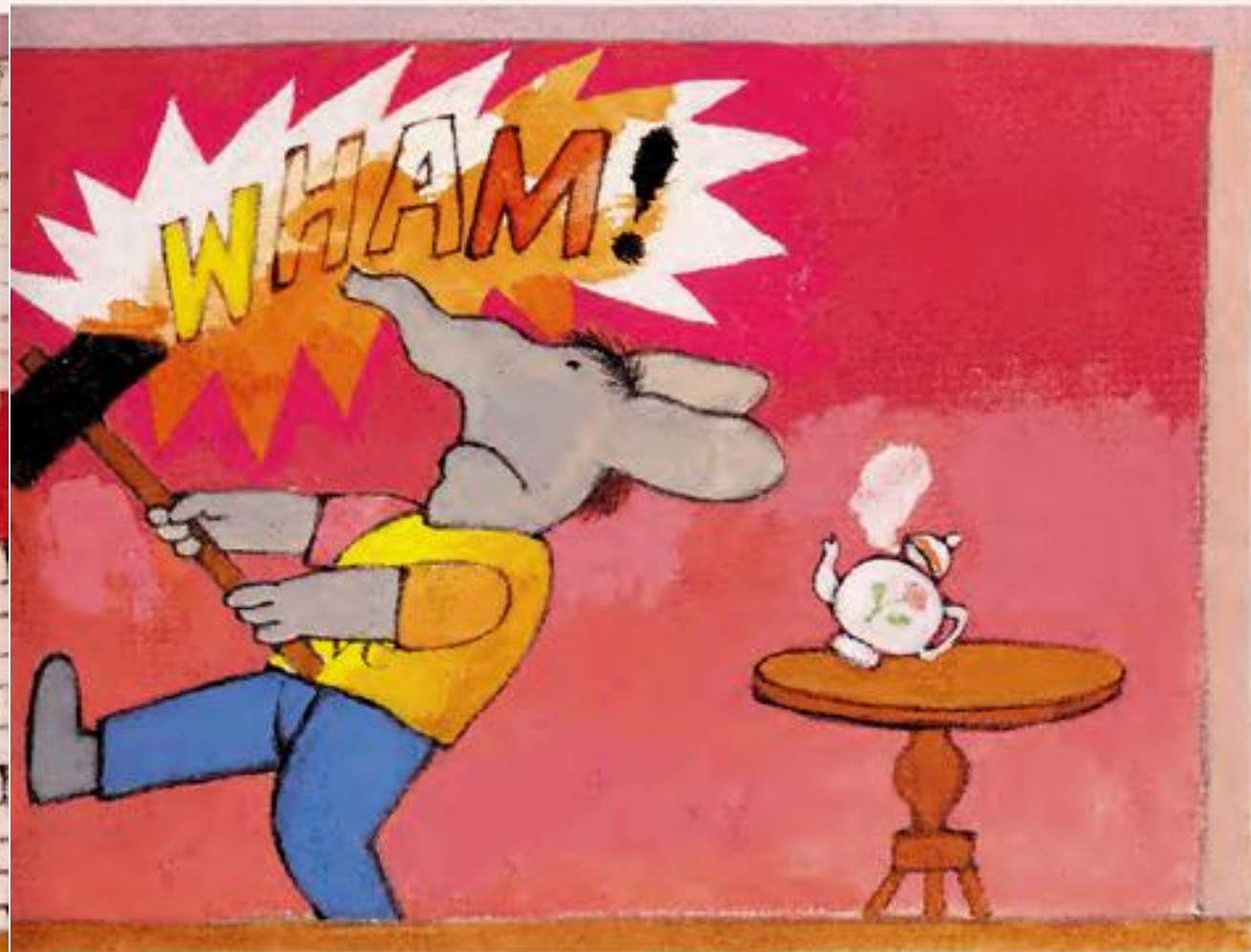
फिर हाथी ने अपना बड़ा हथौड़ा लिया और उससे दीवार को बार-बार पीटना शुरू किया.

बड़े हथौड़े की उस मार को दीवार ज़्यादा देर तक नहीं सह पाई. फिर दीवार धड़ाम से टूटकर नीचे गिर गई. फिर दोनों कलाकार एक-दूसरे के आमने-सामने खड़े थे और बड़े हैरान दिखाई दे रहे थे.

"मेरा मतलब यह करना नहीं था," हाथी ने हकलाते हुए कहा. "क्या मैं तुम्हें एक कप चाय भेंट कर सकता हूँ?"

फिर दोनों पड़ोसियों ने मिलकर चाय पी और संगीत के प्रति अपने प्रेम पर चर्चा की.

"मैं जानता हूँ!" हाथी ने कहा. "हम दोना इकट्ठे मिलकर संगीत क्यों नहीं रच सकते?"

"कितना अच्छा विचार है!" मगरमच्छ ने कहा.

मगरमच्छ तुरंत घर से अपना वायलिन लेकर आया, जो मलबे के नीचे दबा था.

फिर उन दोनों ने एक साथ मिलकर संगीत का अभ्यास किया. दोनों की लय, धुन एकदम सही थी - एक, दो, तीन, चार!

वे घंटों संगीत बजाते रहे. वे हफ्तों संगीत बजाते रहे. वे संगीत में बेहतर और बेहतर होते गए. उनका संगीत कितना प्यारा था!

जल्द ही वे अपने युगल गीतों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हो गए. फिर वे हमेशा के लिए एक साथ खुशी-खुशी रहने लगे.

उन्होंने उस टूटी हुए दीवार को दुबारा कभी नहीं बनाया.

क्योंकि अब उन्हें उसकी ज़रुरत ही नहीं थी.

समाप्त